मूल हिंदी में

भारत सरकार
पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 1049
02.12.2024 को उत्तर के लिए

वृक्षारोपण

1049. श्री राहुल कस्वां:

क्या **पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने छात्रों को स्वस्थ वातावरण प्रदान करने के लिए देश में उच्च शिक्षण संस्थानों के परिसरों के अंदर और बाहर नीम, पीपल, बरगद आदि के वृक्ष लगाने के लिए कोई दिशानिर्देश जारी किए हैं अथवा जारी करने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि देश में उच्च शिक्षण संस्थानों के परिसरों के अंदर और बाहर नीम, पीपल, जामुन, बरगद आदि के वृक्ष नहीं लगाए गए हैं जिसके कारण राष्ट्रीय राजमार्गों के निकट स्थित संस्थान उजाड़ दिखाई देते हैं;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके राजस्थान राज्य सहित राज्य-वार और संस्था-वार क्या कारण हैं; और

(घ) क्या सरकार का विचार वृक्षारोपण को बढ़ावा देने के लिए कोई नई क्रांति लाने का है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय में राज्य मंत्री:
(श्री कीर्तवर्धन सिंह)

(क) से (ग) यह मंत्रालय विभिन्न वृक्षारोपण गतिविधियों के कार्यान्वयन में राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को सहायता प्रदान करता है तथा शैक्षणिक संस्थानों सहित पूरे देश में वन एवं वनेतर क्षेत्रों में वृक्षारोपण एवं वृक्षों के संरक्षण को बढ़ावा देता है। विभिन्न स्कीमें और कार्यक्रम जैसे ग्रीन इंडिया मिशन, नगर वन योजना, स्कूल नर्सरी योजना, काम्पा आदि वन और वनेतर क्षेत्रों को

हरा-भरा बनाने में योगदान देते हैं। स्थान की स्थिति के आधार पर, नीम, पीपल, बरगद आदि सहित उपयुक्त प्रजातियों को लगाया जाता है और उनका रखरखाव किया जाता है। राजस्थान सरकार ने वर्ष 2024-25 में विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों के परिसरों में नीम, पीपल और बरगद के 10145 पौधे लगाए हैं। विवरण **अनुलग्नक-1** में संलग्न है।

(घ) दिनांक 5 जून, 2024 को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान शुरू किया गया था। यह अभियान धरती माता द्वारा प्रकृति के पोषण और हमारी माताओं द्वारा मानव जीवन के पोषण के बीच समानता दर्शाता है। इस अभियान का उद्देश्य हमारी माताओं के प्रति प्रेम, आदर और सम्मान के प्रतीक के रूप में एक पेड़ लगाकर तथा पेड़ों और धरती माता की रक्षा करने की शपथ लेकर इस संबंध को रेखांकित करना है। इस अभियान में देशी वृक्ष प्रजातियों के रोपण को प्रोत्साहित किया जाता है, जिससे न केवल वृक्षों के अस्तित्व को बेहतर बनाने में मदद मिलती है, बल्कि वृक्षारोपण क्षेत्रों में एक अनुकूलित पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण भी होता है। इस अभियान के तहत अब तक 10013.11 लाख पौधे रोपे जा चुके हैं, जिनमें से 562.23 लाख पौधे राजस्थान में रोपे गए हैं।

अनुलग्नक-1

'वृक्षारोपण' के संबंध में श्री राहुल कस्वां **द्वारा दिनांक 28.11.2024 को उत्तर के लिए पूछे गए लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 1049 के भाग (क) से (ग) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक**

राजस्थान सरकार द्वारा लगाए गए पौधों की सूची

क्र.सं.	**विभाग का नाम**	**सामान्य नाम (अंग्रेजी में)**	**पौधों की संख्या**
1	आयुर्वेद विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय	नीम	300
2	माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर	बरगद	37
3	माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर	नीम	1537
4	माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर	पीपल	62
5	कॉलेजी शिक्षा	बरगद	10
6	कॉलेजी शिक्षा	नीम	1115
7	कॉलेजी शिक्षा	पीपल	25
8	प्रांरभिक शिक्षा	बरगद	12
9	प्रांरभिक शिक्षा	नीम	641
10	प्रांरभिक शिक्षा	पीपल	10
11	उच्च शिक्षा	बरगद	32
12	उच्च शिक्षा	नीम	2039
१३	उच्च शिक्षा	पीपल	65
14	चिकित्सा शिक्षा	बरगद	10
15	चिकित्सा शिक्षा	नीम	56
16	राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद (आरसीएससीई)	बरगद	20
17	राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद (आरसीएससीई)	नीम	701
18	राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद (आरसीएससीई)	पीपल	31
19	राजस्थान शिक्षा कर्मी बोर्ड	नीम	55
20	राजस्थान शिक्षा कर्मी बोर्ड	पीपल	5
21	संस्कृत शिक्षा	बरगद	2
22	संस्कृत शिक्षा	नीम	89
23	संस्कृत शिक्षा	पीपल	25
24	माध्यमिक शिक्षा	बरगद	369
25	माध्यमिक शिक्षा	नीम	2493
26	माध्यमिक शिक्षा	पीपल	384
27	तकनीकी शिक्षा	नीम	15
28	तकनीकी शिक्षा	पीपल	5
कुल			**10145**